विधान सभा सचिवालय

मध्यप्रदेश

समाचार

मात्र सत्ता परिवर्तन सुशासन का समाधान नहीं : डॉ. सीतासरन शर्मा

मध्यप्रदेश छात्र संसद के सत्र का शुभारम्भ

भोपाल : 28 नवम्बर, 2015

युवा शक्ति समृद्ध राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका का निर्वहन करने में सक्षम होती है और वर्तमान परिवेश में लोकतंत्र को स्वस्थ, सक्षम तथा पुष्ट बनाये रखने के लिये युवा-पीढ़ी अपने दायित्व की दिशा में जागरूक हुई है. मात्र सत्ता-परिवर्तन हो जाना ही सुशासन का समाधान नहीं होता बल्कि भारतीय मूल्यों और आदर्शों का पोषण तथा संवर्धन भी लोकतंत्र की अपरिहार्यता होती है. यह उद्‌गार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा ने मध्यप्रदेश विधान सभा सभागार में भारतीय छात्र संसद, पुणे द्‌वारा आयोजित मध्यप्रदेश छात्र संसद की कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र के अवसर पर व्यक्त किये. डॉ. शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वस्तुत: भारतीयता की पहचान भारतीय संस्कृति में निहित है. युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए लोकतंत्र की महत्ता एवं उपादेयता को सतत प्रकाशित करते रहना चाहिए. डॉ. शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र का प्रशासन भी लोक से संचालित होना चाहिए. उन्होंने रामचरित मानस के विभिन्न प्रसंग एवं उद्‌धरणों के माध्यम से भी लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रासंगिकता को प्रतिपादित किया.

छात्र संसद को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ विचारक श्री इन्द्रेश कुमार, नेहरू युवा केन्द्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री व्ही. डी. शर्मा एवं विधायक श्री मुकेश नायक ने भी सम्बोधित किया. इस अवसर पर विभिन्न महाविधालयों के विधार्थीगण तथा छात्र संसद के पदाधिकारीगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

वि.स./ज.स./2015

(मुकेश मिश्रा)
सूचना अधिकारी